मेन्स मास्टर

निवेश के बारे में रहस्य

प्रसंग:

• भारतीय अर्थव्यवस्था में 2010 से, यहां तक कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल से पहले ही, निवेश दरों में चिंताजनक गिरावट या स्थिरता देखी गई है।

• यह प्रवृत्ति एक पुनरुत्थानवादी और उत्साही अर्थव्यवस्था की आधिकारिक कथा के बिल्कुल विपरीत है, जो धारणा और वास्तविकता के बीच एक अंतर पैदा करती है।

• दिलचस्प बात यह है कि यह शेयर बाजार के व्यवहार के विपरीत भी है, जो इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे यह हमेशा समग्र निवेश या आर्थिक स्वास्थ्य का एक विश्वसनीय संकेतक नहीं है।

पृष्ठभूमि:

• निवेश किसी भी अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, वृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है। इसमें विभिन्न रूप शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं:

- सार्वजनिक क्षेत्र का निवेश: सरकार और सार्वजनिक कंपनियों द्वारा संचालित, यह अक्सर बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण पहल पर केंद्रित होता है।
- निजी कॉर्पोरेट निवेश: व्यवसायों द्वारा किया गया, इसका लक्ष्य विस्तार, नवाचार और उत्पादन क्षमता में वृद्धि है।
- घरेलू क्षेत्र में निवेश: इसमें आवासों में व्यक्तिगत निवेश के साथ-साथ अपंजीकृत लघु और सूक्ष्म उद्यमों द्वारा निवेश शामिल है, जो अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण रीढ़ है।

निवेश आधारित विकास के लाभ:

• मजबूत आर्थिक विकास: बढ़ा हुआ निवेश व्यवसायों के लिए अधिक पूंजी उपलब्ध कराता है, जिससे विस्तार, रोजगार सृजन और उच्च उत्पादन होता है।

• बुनियादी ढांचे का विकास: सड़कों, पुलों और ऊर्जा ग्रिड जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश से कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और समग्र परिचालन दक्षता में सुधार होता है।

• तकनीकी प्रगति: अनुसंधान और विकास में निवेश नवाचार को बढ़ावा देता है, अर्थव्यवस्था को नई प्रौद्योगिकियों की ओर प्रेरित करता है और उत्पादकता में सुधार करता है।

• उच्च जीवन स्तर: जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था बढ़ती है, बेहतर नौकरी के अवसरों, बढ़ी हुई आय और आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंच के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होता है।

भारत में निवेश की वर्तमान स्थिति:

• समग्र निवेश दर वर्तमान में 2011-12 में देखे गए अपने उच्चतम स्तर से नीचे है, जो चिंताजनक मंदी का संकेत देता है।

• घरेलू क्षेत्र आश्चर्यजनक रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो कुल निवेश का लगभग 40% योगदान देता है, जो अनौपचारिक अर्थव्यवस्था के महत्व को उजागर करता है।

• पिछले दशक में सार्वजनिक निवेश की हिस्सेदारी में धीरे-धीरे वृद्धि देखी गई है, जो अंतर को पाटने के प्रयासों का संकेत देता है।

• विभिन्न प्रोत्साहनों के बावजूद निजी कॉर्पोरेट निवेश स्थिर बना हुआ है, जिससे नीतिगत उपायों के प्रति इसकी प्रतिक्रिया को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

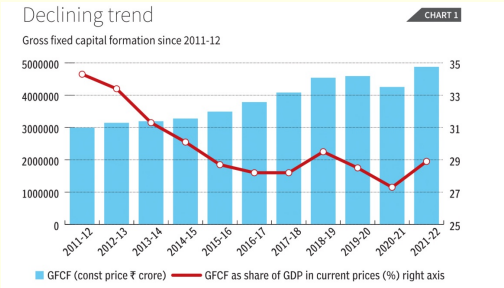

• जबकि विनिर्माण क्षेत्र में निवेश में वृद्धि के उत्साहजनक संकेत दिख रहे हैं, रियल एस्टेट निवेश स्थिर हो गया है, जो असमान क्षेत्रीय वितरण का संकेत देता है।

चुनौतियाँ:

• व्यापक असमानता: निवेश वृद्धि में बाधा डालने वाला एक प्रमुख कारक भारत में भारी आर्थिक असमानता है। चूंकि आबादी का एक बड़ा हिस्सा कम आय से जूझ रहा है, इसलिए एक मजबूत घरेलू बाजार की संभावना अवास्तविक बनी हुई है।

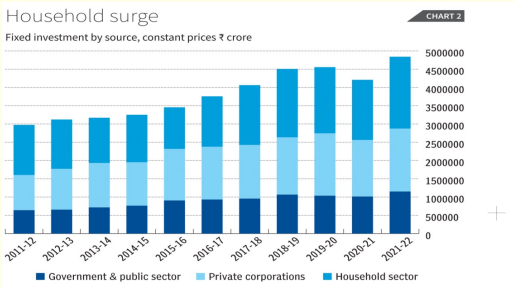

• सीमित घरेलू बाजार: आबादी के एक बड़े हिस्से के लिए अपर्याप्त आय वृद्धि के कारण, बड़े पैमाने पर उपभोग की वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार का आकार सीमित रहता है, जिससे बड़े पैमाने पर निवेश हतोत्साहित होते हैं।

• निजी निवेशकों के लिए चुनौतियाँ: कई निजी निवेशक सीमित घरेलू मांग के कारण पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को खोजने के लिए संघर्ष करते हैं और कुछ क्षेत्रों में सपाट या घटती मांग का सामना करते हैं, जिससे उनके निवेश उत्साह में और गिरावट आती है।

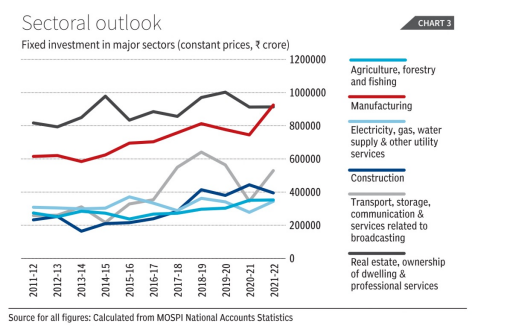

आगे बढ़ने का रास्ता:

• असमानता कम करें: आय अंतर को पाटना और निचली आधी आबादी के लिए पर्याप्त आय सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। इससे एक बड़ा घरेलू बाज़ार तैयार होगा, अधिक निवेश आकर्षित होगा और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

• वेतन पर परिप्रेक्ष्य में बदलाव: वेतन को न केवल लागत को कम करने के रूप में देखना, बल्कि आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाली मांग के स्रोत के रूप में भी देखना, उन नीतियों को प्रोत्साहित कर सकता है जो वेतन वृद्धि का समर्थन करते हैं और जीवन स्तर में सुधार करते हैं।

• गतिशील जन बाजार के लिए नीतियां: उन नीतियों पर ध्यान केंद्रित करना जो शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच का विस्तार करके एक गतिशील जन बाजार का निर्माण करती हैं, आबादी के निचले आधे हिस्से को सशक्त बना सकती हैं और उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था में योगदानकर्ताओं के रूप में उनकी क्षमता को अनलॉक कर सकती हैं।

म्यांमार का गृहयुद्ध और भारत के हित

प्रसंग:

• निर्वाचित सरकार को हटाया गया: फरवरी 2021 में, म्यांमार की सेना ने आंग सान सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को हटाकर तख्तापलट कर दिया। इससे व्यापक प्रतिरोध और सशस्त्र संघर्ष शुरू हो गया।

• जातीय सशस्त्र समूह (ईएओ) और पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज (पीडीएफ): केंद्र सरकार के खिलाफ लंबे समय से शिकायतों वाले विभिन्न जातीय समूहों ने सैन्य जुंटा का विरोध करने के लिए गठबंधन और सशस्त्र समूह बनाए। इसके अतिरिक्त, नागरिक समूहों ने सेना से लड़ने के लिए पीडीएफ़ का गठन किया।

• अराकान सेना: एक प्रमुख ईएओ अराकान सेना है, जो रखाइन राज्य और चिन राज्य की सीमा पर सक्रिय है। वे सेना के साथ भिड़ गए हैं और चिन राज्य के पलेतवा सहित कई क्षेत्रों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है।

पृष्ठभूमि:

• पलेतवा विवाद: ऐतिहासिक रूप से, चिन और अराकान जातियों के पलेतवा पर अलग-अलग दावे हैं। जबकि चिन इसे अपनी मातृभूमि का हिस्सा मानते हैं, कुछ रखाइन समूहों का दावा है कि यह औपनिवेशिक शासन के दौरान उनके ऐतिहासिक क्षेत्र का था। यह अनसुलझा विवाद सेना के ख़िलाफ़ अंतर-जातीय सहयोग के लिए चुनौतियाँ पैदा करता है।

• अंतर-जातीय एकजुटता: सेना के खिलाफ प्रभावी प्रतिरोध के लिए, ईएओ को ऐतिहासिक मतभेदों को दूर करने और एकजुटता बनाने की जरूरत है। क्षेत्रीय दावों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सामान्य आधार ढूंढना महत्वपूर्ण है।

• कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (KMTTP): इस भारत-म्यांमार बुनियादी ढांचा परियोजना का उद्देश्य चिन राज्य के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत और म्यांमार के सिटवे बंदरगाह के बीच कनेक्टिविटी में सुधार करना है। संघर्ष के कारण होने वाली देरी और हितधारकों की अस्पष्ट स्थिति इसकी प्रगति में बाधा डालती है।

मुद्दा:

• KMTTP अनिश्चितता: अराकान सेना द्वारा पलेतवा पर कब्ज़ा KMTTP पर उनके रुख के बारे में चिंताएँ बढ़ाता है। यदि वे परियोजना का विरोध करते हैं, तो इसमें और देरी हो सकती है और भारत के कनेक्टिविटी लक्ष्य खतरे में पड़ सकते हैं।

• चीनी प्रभाव: अराकान सेना चीन से कथित समर्थन प्राप्त करने वाले समूह का हिस्सा है। चिंताएं मौजूद हैं कि चीन म्यांमार में विकास को प्रभावित करने और संभावित रूप से केएमटीटीपी जैसी भारतीय परियोजनाओं को धीमा करने के लिए ऐसे समूहों का उपयोग कर सकता है।

• बढ़ती चीनी उपस्थिति: चीन म्यांमार में अपनी आर्थिक उपस्थिति का विस्तार कर रहा है, विशेष रूप से क्याउकप्यू बंदरगाह के पास राखीन राज्य में, जिससे उनके रणनीतिक इरादों और भारत के हितों के साथ संभावित प्रतिस्पर्धा के बारे में चिंताएं बढ़ रही हैं।

भारत-म्यांमार संबंधों पर प्रभाव:

• तनावपूर्ण संबंध: केएमटीटीपी में देरी और अराकन सेना की स्थिति के बारे में अनिश्चितता भारत-म्यांमार संबंधों में घर्षण पैदा करती है, जिससे आर्थिक सहयोग और विश्वास-निर्माण में बाधा आती है।

• सीमित जुड़ाव: अराकान सेना के रुख और संभावित चीनी प्रभाव जैसी जटिलताएं भारत के लिए म्यांमार में विभिन्न हितधारकों के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ना चुनौतीपूर्ण बनाती हैं।

• भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा: म्यांमार में चीन की बढ़ती आर्थिक और सैन्य उपस्थिति भारत पर अपने हितों का दावा करने और चीन के संभावित प्रभाव का मुकाबला करने का दबाव डालती है।

t.me/pragyeshIASMENTOR Pragyesh IAS pragyesh.org

म्यांमार की सीमा से लगे भारतीय राज्यों पर प्रभाव:

• शरणार्थियों की आमद: चल रहे संघर्ष से लोग विस्थापित हो रहे हैं, जिससे पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों में शरणार्थियों की आमद बढ़ रही है, जिससे संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर दबाव पड़ रहा है।

• सुरक्षा खतरे: म्यांमार से फैलने वाली हिंसा और अस्थिरता सीमावर्ती भारतीय राज्यों के लिए सुरक्षा चिंताएं पैदा करती है, जिसके लिए सतर्कता और सीमा प्रबंधन प्रयासों में वृद्धि की आवश्यकता होती है।

• आर्थिक बाधा: केएमटीटीपी की देरी से पूर्वोत्तर भारत में आर्थिक विकास के अवसर बाधित होते हैं, जिससे व्यापार और कनेक्टिविटी क्षमता में बाधा आती है।

आगे बढ़ने का रास्ता:

• सतर्क जुड़ाव: भारत को ईएओ के साथ अपने जुड़ाव को सावधानीपूर्वक आगे बढ़ाने की जरूरत है, उनके विविध हितों पर विचार करते हुए और म्यांमार में आंतरिक संघर्षों को बढ़ावा देने से बचना चाहिए।

• व्यापक सहायता: जातीय समूहों और स्थानीय समुदायों के व्यापक स्पेक्ट्रम के साथ समन्वय में मानवीय और विकास सहायता को बढ़ाना सद्भावना और समझ को बढ़ावा दे सकता है।

• रणनीतिक निगरानी: सूचित निर्णय लेने के लिए उभरते जातीय संबंधों, सैन्य-ईएओ गतिशीलता, संभावित चीनी प्रभाव और सुरक्षा खतरों की बारीकी से निगरानी करना महत्वपूर्ण है।

• समर्पित विशेषज्ञता: म्यांमार और उसके पड़ोस में विभिन्न कनेक्टिविटी और विकास परियोजनाओं की देखरेख के लिए भारत सरकार के भीतर एक समर्पित टीम की स्थापना से प्रगति में तेजी लाने और जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद मिल सकती है।

प्रीलिम्स बूस्टर

विपक्ष ने राज्यसभा में संघीय सिद्धांतों के उल्लंघन का मुद्दा उठाया

🏛️ राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान राज्यसभा की बहस बेरोजगारी, संघीय सिद्धांतों के उल्लंघन और सांप्रदायिक विभाजन जैसे मुद्दों पर केंद्रित थी।

👉 धन्यवाद प्रस्ताव किसी विधायी निकाय में किसी चीज़ के लिए आभार या प्रशंसा व्यक्त करने के लिए प्रस्तुत किया जाने वाला एक औपचारिक प्रस्ताव है।

🏛️ भारतीय संसद के संदर्भ में, यह प्रत्येक सत्र की शुरुआत में लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस और मतदान को संदर्भित करता है।

📜 राष्ट्रपति का अभिभाषण आगामी वर्ष के लिए सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा बताता है।

💬 धन्यवाद प्रस्ताव संसद सदस्यों को इन मामलों पर चर्चा करने और अपने विचार व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

🌍 बहस में सरकार के प्रदर्शन, कानून और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों सहित कई मुद्दों को शामिल किया जा सकता है।

🗳️ धन्यवाद प्रस्ताव पर अंततः संसद के सदस्यों द्वारा मतदान किया जाता है।

👍 यदि बहुमत प्रस्ताव के पक्ष में वोट करता है, तो इसे सरकार के प्रति समर्थन की अभिव्यक्ति माना जाता है।

🚫 यदि बहुमत प्रस्ताव के विरुद्ध मतदान करता है, तो इसे सरकार के प्रति अविश्वास मत माना जाता है।

एक दशक में सबसे अधिक, वित्त वर्ष 2014 में प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात 6.6% तक पहुंच जाएगा: सीबीडीटी प्रमुख

💰 प्रत्यक्ष कर, जैसे आयकर, कॉर्पोरेट कर और संपत्ति कर, सीधे व्यक्तियों और संस्थाओं पर लगाए जाते हैं, और प्रत्यक्ष कर और जीडीपी का अनुपात इन करों के माध्यम से एकत्र किए गए देश के कुल आर्थिक उत्पादन के अनुपात को दर्शाता है।

Direct tax mop-up

Head	Collection (₹ lakh cr)			Growth (%)		% of GDP	
	FY24 BE	FY24 RE	FY25 BE	FY25 over FY24 RE	FY25 over FY24 BE	FY24 RE	FY25 BE
Personal income tax	9.01	10.22	11.56	13.1	28.4	3.4	3.5
Corporate income tax	9.23	9.23	10.43	13.0	13.0	3.1	3.2
Total direct tax	18.24	19.45	21.99	13.1	20.6	6.6	6.7

Source: Budget Documents

- 📊 उल्लेखनीय 6.6% की तरह उच्च प्रत्यक्ष कर-जीडीपी अनुपात इंगित करता है कि देश के राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा सीधे व्यक्तियों और निगमों से प्राप्त होता है, जो एक अच्छी तरह से स्थापित कर आधार, प्रभावी कर प्रशासन और संग्रह के लिए एक मजबूत प्रणाली को दर्शाता है। प्रत्यक्ष कर.

- 📈 6.6% के प्रत्यक्ष कर और जीडीपी अनुपात से पता चलता है कि समग्र आर्थिक गतिविधि का एक बड़ा हिस्सा प्रत्यक्ष करों के माध्यम से सरकार के राजस्व में योगदान देता है, जो राजकोषीय दृष्टिकोण से सरकार के लिए राजस्व के अपेक्षाकृत मजबूत और स्थिर स्रोत का संकेत देता है।

कूल मैग्नेट

🌍 एक प्रभावी चुंबकीय रेफ्रिजरेंट के रूप में एक नए मिश्र धातु की खोज की गई है, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और ग्लोबल वार्मिंग को संबोधित करने में उच्च ऊर्जा दक्षता की वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए ऊर्जा-कुशल और पर्यावरण-अनुकूल शीतलन तकनीक की पेशकश करता है।

- ❄️ वाष्प-चक्र प्रशीतन प्रौद्योगिकी के विकल्प के रूप में चुंबकीय प्रशीतन, इसकी ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय लाभों के कारण घरेलू, औद्योगिक और तकनीकी अनुप्रयोगों के लिए अपनाया जा रहा है।

- चुंबकीय शीतलन प्रभाव (एमसीई) में बाहरी लागू चुंबकीय क्षेत्र के अधीन होने पर चुंबकीय सामग्री के प्रतिवर्ती तापमान परिवर्तन शामिल होता है, जिसमें चुंबकीयकरण और डी-चुंबकीकरण होता है जिससे सामग्री या तो गर्मी छोड़ती है या अवशोषित करती है।

- 🔬 वर्तमान शोध विशाल मैग्नेटो कैलोरी प्रभाव (जीएमसीई) प्राप्त करने के लिए उच्च तापीय चालकता, थकान प्रतिरोध और कम चुंबकीय क्षेत्रों की प्रतिक्रिया जैसी विशिष्ट आवश्यकताओं के साथ रेफ्रिजरेंट के रूप में नई चुंबकीय सामग्री विकसित करने पर केंद्रित है।

हरी कोटिंग

🌿 पतली कठोर सतह कोटिंग्स को संश्लेषित करने के लिए उच्च वेग वाले वायु ईंधन छिड़काव का उपयोग करने वाली एक नई तकनीक में कठोर क्रोम प्लेटिंग को बदलने की क्षमता है, जो कार के हिस्सों, उपकरणों और रसोई के बर्तनों के लिए पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित विकल्प प्रदान करती है।

- 🚗 क्रोम प्लेटिंग, जो अपनी कठोरता और पहनने के प्रतिरोध के लिए जानी जाती है, में कार्सिनोजेनिक तत्व होते हैं, जिससे पीसने की प्रक्रिया की आवश्यकता को कम करने और पाउडर के उपयोग को कम करते हुए, समकक्ष या बेहतर पहनने के प्रतिरोध और दरार-मुक्त कोटिंग के साथ एक सुरक्षित विकल्प की खोज की जाती है।

- 🔬 उच्च वेग वायु ईंधन (एचवीएएफ) तकनीक महीन आकार के पाउडर का उपयोग करके पतली कोटिंग्स के जमाव की अनुमति देती है, जिसके परिणामस्वरूप मोटाई कम हो जाती है और पीसने और पॉलिश करने के संचालन की आवश्यकता होती है, जो एक किफायती और कुशल विकल्प प्रदान करता है।

- 🛠️ एआरसीआई, हैदराबाद के वैज्ञानिकों ने एचवीएएफ छिड़काव विधि का उपयोग करके टंगस्टन, कोबाल्ट और क्रोमियम के मिश्रित मिश्र धातु से बने पतले कठोर कोटिंग्स को संश्लेषित किया है, जो कम पोस्ट-कोटिंग फिनिशिंग संचालन और बेहतर पहनने के प्रतिरोध के साथ चिकनी सतह कोटिंग्स के जमाव को सक्षम करता है। कठोर क्रोम चढ़ाना·